RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

HISTORY

दिल्ली सल्तनत

Part -2



LIVE 14-06-2024 7:00 PM

(4) रुकनुद्दीन फिरोज (1236–1236)

(Ruknuddin Firoz)

माँ–शाह तुर्कान

Mother-Shah Turkan

पिता – इल्तुतमिश

Father- Iltutmish



(5) रजिया सुल्तान (1236–1240)

- तुर्की इतिहास की पहली मुस्लिम शासिका।
  The first Muslim ruler in Turkish history.
- इल्तुतमिश की बेटी थी।
  She was the daughter of Iltutmish.



★ रजिया कुलहा और चोगा धारण करती थी

★ **Razia used to wear kulha and choga**

★ रजिया ने काले गुलाम 'याकूत' को 'अमीर–ए–आखूर नियुक्त किया।

Razia appointed the black slave 'Yakut' as 'Amir-e-Akhur'.

अल्तूनिया के विद्रोह मे मारा गया।

He was killed in the revolt of Altunia.

❖ इसके खिलाफ होने वाले विद्रोह

Rebellions against it:- :–

(1) अल्तूनिया का विद्रोह (तबरहिंद, भटिण्डा PB)

Rebellion of Altunia (Tabarhind, Bhatinda PB)

→ अल्तुनिया ने रजिया को बंदी बनाकर "किला -ए-मुबारक में रखा।
↳ पंजाब

❖ रजिया की हत्या 13 अक्टूबर 1240 को कैथल में हुई थी।

took place on 13 October 1240 at Kaithal.

(6) बहराम शाह (1240–42)

★ इल्तुतमिश का पुत्र, (रजिया का भाई)
Son of Iltutmish (brother of Razia)

★ इसने अपना नायब–ए–मूमलिकात – एतगीन को नियुक्त किया।
It appointed its Naib-i-Mumlikat - Etgin.

★ एतगीन की हत्या कराई।
Atgin was murdered.

★ तमर के नेतृत्व में मंगोलो ने 1241 में आक्रमण किया।
The Mongols invaded in 1241 under the leadership of Tayyar.

→ 1242 में बहरामशाह की हत्या करवा दी गयी।

(7) मसूदशाह (1242–46)

★ रुकनुद्दीन फिरोज का पुत्र Son of Ruknuddin Firoz

→ जियालू खां ने गद्दी प्राप्त करने में सहायता की।

(8) नसीरुद्दीन महमूद (1246–1266)

- इल्तुतमिश का पुत्र son of iltutmish
- सल्तनत काल का औरंगजेब Aurangzeb of the Sultanate period
- टोपी सीकर जीवन व्यतीत करता था।
  He used to live his life by looking for caps.
- नायब–ए–मुमलिकात–बलबन Naib-i-Mumlikat-Balban
- महमूद बलबन का दामाद था। Mahmud was the son-in-law of Balban.
- शम्सी वंश का खात्मा, प्रथम इल्बरी वंश का खात्मा
  End of Shamsi dynasty, end of first Ilbari dynasty

★ बलबन (1266–1287)

- इसका शासनकाल द्वितीय इलबरी वंश का शुरूआत माना जाता है।
  His reign is considered the beginning of the Second Ilbury dynasty.

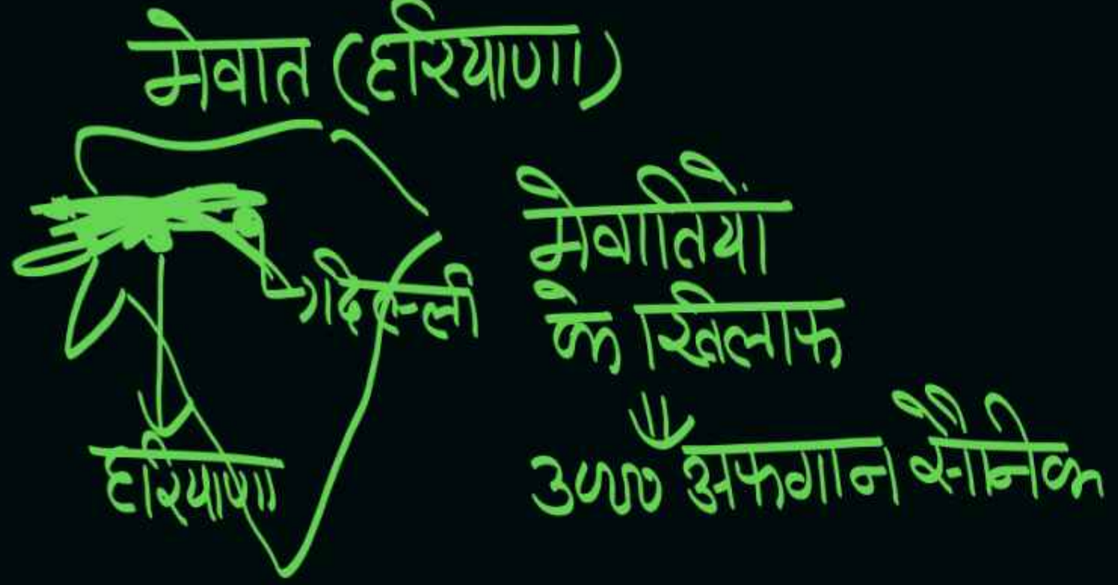
बलबनी वंश **Balbani dynasty**

- पूरा नाम – गयासुद्दीन बलबन **Full Name - Ghiyasuddin Balban**
- यह इल्तुतमिश का गुलाम था **He was a slave of Iltutmish**
- वास्तविक नाम – बहाउद्दीन **Real name - Bahauddin**
- उपाधि – उलूग खाँ (यह उपाधि महमूद ने दी थी।)
  Title - Ulugh Khan (This title was given by Mahmud.)

जिल्ले इलाही (ईश्वर की छाया)

- अमीर–ए–शिकार बना – बहराम के समय में
  Became Amir-i-Shikar - in the time of Bahram
- अमीर–ए–आखूर बना। Became Amir-e-Akhoor.
- लौह एवं रक्त नीति, मेवातिओ के खिलाफ अपनाई।
  Iron and blood policy adopted against Mevatio.
- तुर्क–ए–चहलगानी का अंत किया। Turk-e-Chahalgani ended.
- सिजदा (झुकना), पाबोस (चूमना), नौरोज उत्सव शुरू किए → पारसी उत्सव
  Started sijda (bowing), pabos (kissing), Nowruz celebrations
- पहली बार गैर–इस्लामिक प्रथा दिल्ली सल्तनत में लागू हुई।
  For the first time non-Islamic practices were introduced in the Delhi Sultanate.
- फारसी पद्धति में दरबार का गठन किया।
  The court was formed in the Persian system.

५० सरदारों का समूह


मेवात (हरियाणा)
दिल्ली
हरियाणा
मेवातियों
के खिलाफ
उज्बेक अफगान सैनिक

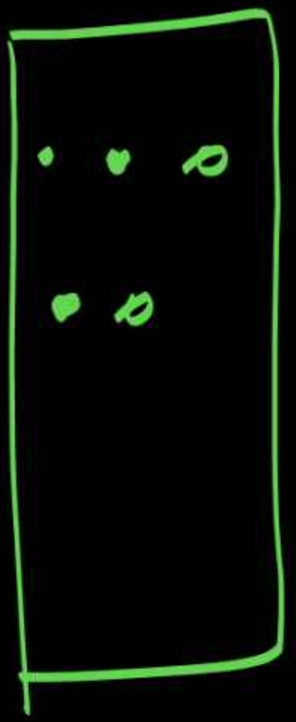
- दो विभाग बनाए Create two departments–
  (1) बरीद–ए–मुमालिक – (गुप्तचर विभाग)
  Barid-e-Mumalik - (Intelligence Department)
  (2) दिवान–ए–अर्ज– (सैन्यविभाग)
  Diwan-e-Arj-(Military Department)

- बलबन ने न्याय विभाग की स्थापना की थी।
  Balban had established the Department of Justice.
- बलबन के समय 1279, 1285 में – मंगोल आक्रमण हुए।
  During the time of Balban, in 1279, 1285 - Mongol invasions took place.
- 1279 में बंगाल में विद्रोह तुगरिल खाँ ने किया।
  Tughril Khan revolted in Bengal in 1279.

तुगरिल खाँ ⟶ बंगाल

बलबन ⟶ दिल्ली

विद्रोह ⇒ दबाने के लिए
(1) अमीर खाँ – हार गया
(2) तिमरत खाँ ⟶ हार गया।



मंगोल आक्रमण

1279
1285

⇓

दूसरा ⇒ जलालुद्दीन खिलजी

★ कैकुबाद (बलबन का पोता)

→ किलोखरी का किला बनवाया।

Kilokhari fort was built.

★ कैमुर्स (शमसुद्दीन II)

→ गुलाम वंश का अंतिम शासक

last ruler of slave dynasty

↓ इसकी हत्या जलालुद्दीन खिलजी ने करवा दी।

↳ Commander of Balban
बलबन का सेनापति

बलबन

↓

बेटा = बुगरा खां

↓

गद्दी पर बैठने से इंकार दिया।

खिलजी वंश (1290-1320 ई०)

↳ गुलाम वंश को समाप्त कर 1290 ई०/AD में
"जलालुद्दीन फिरोज खिलजी" ने खिलजी वंश की स्थापना की।

उपाधि ⇒ शाइस्ता खां (कैकुबाद ने दी।)

⇒ राज० ⇒ किलोखरी
⇒ सल्तनत काल का सबसे बुजुर्ग (68 वर्ष) शासक था।

रिंददीमौला

मलिक छज्जू ⇒ बलबन का भतीजा

फखरुद्दीन ⇒ बलबन का दोस्त